

R



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रसाधारण

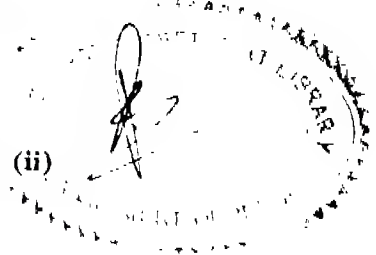
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 1] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जनवरी 1, 1970/वीथ 11, 1891
No. 1] NEW DELHI, THURSDAY, JANUARY 1, 1970/PAUSA 11, 1891

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

NOTIFICATION

CUSTOMS

New Delhi, the 1st January 1970

S.O. 48.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts the goods mentioned below from the whole of the duty of customs leviable thereon under the First Schedule to the Indian Tariff Act, 1934 (32 of 1934), and the additional duty leviable thereon under section 2A of the second mentioned Act, when imported into India by any person of Indian origin who has hitherto been a permanent resident in Uganda, Kenya, Zambia or Tanzania and who now wishes to repatriate to India, for permanent settlement:—

- (i) one motor car for each family, if that car was in the use of the repatriate either as owner thereof or as a partner or a director of a partnership concern or company, as the case may be, in Uganda, Kenya, Zambia or Tanzania for not less than one year before the date of his arrival in India or as the case may be, one motor cycle/scooter, for each family, if that motor cycle/scooter was in the use of the repatriate, in Uganda, Kenya, Zambia or Tanzania, for not less than six months before the date of his arrival in India,
- (ii) jewellery which is in personal use or kept for such use by the members of the family upto a value of sixteen thousand rupees for each family,

- (iii) articles or ornaments, or both, made of gold or silver, the total weight of which does not exceed one hundred and seventy five grammes, for each family,
- (iv) goods left unsold not exceeding sixteen thousand rupees in value, subject to the conditions (i) that the repatriate has been a dealer in such goods, and in the case of the under-mentioned goods he has been a dealer in the same goods from the 17th March, 1964 or earlier, and (ii) if such goods are certified as his genuine stock-in-trade by the Indian High Commission concerned:

1. Watches.
2. Synthetic yarn and metallised yarn.
3. Fabrics, sarees and knitted wear, made wholly or mainly of synthetic yarn.
4. Alcoholic liquors.
5. Cigarettes, cigars, manufactured tobacco, cigarette lighters and flints.
6. Fountain pens, ball point pens, and propelling pencils.
7. Perfumes, cosmetics, adjustable safety razors and blades.
8. Playing cards, battery-operated toys.
9. Transistor radios, transistors and diodes; stereos, Stereophonic Juke Boxes and Record Players, tape recorders and tapes and cartridges therefor; any combination of these instruments.
10. Electric appliances, namely:—
Shavers, hair driers, mixers and liquidisers, automatic toasters and irons.
11. Photographic cameras, flash-guns and colour films therefor.
12. Cloves and cinnamon (cassia).
- (v) machinery and industrial apparatus which has been in the use of the repatriate and does not exceed sixteen thousand rupees in value;

Provided that—

- (a) the passport of the repatriate is endorsed by the Indian High Commission concerned to the effect that he is a *bona fide* repatriate,
 - (b) the goods were in the possession of the repatriate before his departure for India, and
 - (c) the goods are imported within four months of the arrival of the repatriate or within such extended period as the Collector of Customs may in any particular case allow.
- Explanation.**—For the purpose of this notification, "family" means a repatriate's wife or husband residing with and wholly dependent on the repatriate, and includes the children, parents, sisters and brothers of such repatriates, residing with and wholly dependent upon the said repatriate.

2. This notification shall remain in force upto and inclusive of the 31st December, 1970.

[No. 1/F. No. 90/79/69-L.C.I.]

M. G. ABROL, Jt. Secy.

बिस्त मंत्रालय

(राजस्व और सीमा विभाग)

अधिसूचना

सीमा शुल्क

नई दिल्ली, 1 जनवरी, 1970

एस० नो० 48.—सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार अग्रा यद्द समाधान

होजाने पर कि ऐसा करना लोक हित में आवश्यक है, नीचे वर्णित माल को, उस पर भारतीय टैरिफ अधिनियम, 1934 (1934 का 32) की प्रथम अनुसूची के अधीन उद्ग्रहणीय समस्त सीमा शुल्क से और दूसरी बार वर्णित अधिनियम की धारा 2-क के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय प्रतिरिक्त सीमा-शुल्क से, जबकि उस माल का आयात भारतीय मूल के किसी व्यक्ति द्वारा, जो अभी तक युगांडा, केन्या, जेम्बिया या तनजानिया का स्थायी निवासी रहा है और जब भारत में स्थायी रूप से बसने के लिए संप्रत्यावर्तित व्यक्ति (रिपेट्रिएट) होना चाहता है, भारत को किया गया हो एतद्वारा छूट देती है—

- (i) प्रत्येक कुटुम्ब के लिए एक मोटर कार यदि वह मोटर कार भारत में संप्रत्यावर्तित व्यक्ति (रिपेट्रिएट) के पहुंचने की तारीख से पूर्व कम से कम एक वर्ष तक युगांडा, केन्या, जेम्बिया या तनजानिया में यथास्थिति, मोटर कार के स्वामी के रूप में या किसी भागी-दारी सम्प्रदान या कम्पनी के भागीदार या निवेशक के रूप में प्रयोग में रही हो, या यथास्थिति प्रत्येक कुटुम्ब के लिए, एक मोटर साइकिल/स्कूटर यदि वह मोटर साइकिल/स्कूटर भारत में संप्रत्यावर्तित व्यक्ति (रिपेट्रिएट) के पहुंचने की तारीख से पूर्व कम से कम छः महीने तक युगांडा, केन्या, जेम्बिया या तनजानिया में प्रयोग में रहा हो ।
- (ii) प्रत्येक कुटुम्ब के लिए सोलह हजार रुपये तक के मूल्य के आभूषण जो उस कुटुम्ब के सदस्यों द्वारा व्यक्तिगत प्रयोग में लाए जाते हैं या ऐसे प्रयोग के लिए रखे हुए हैं ।
- (iii) प्रत्येक कुटुम्ब के लिए सोने से बनी वस्तुएँ या आभूषण या दोनों, या सोना, जिन की कुल तोल एक सौ पचहत्तर ग्राम से अधिक न हो,
- (iv) बिना बिका माल, जिसका मूल्य छह हजार रुपयों से अधिक, न हो, इन बातों के अध्वधीन रहते हुए—(i) सम्प्रत्यावर्तित व्यक्ति उन वस्तुओं का व्योहारी रहा है, और नीचे वर्णित माल की दशा में वह 17 मार्च, 1964 से या उससे पूर्व से उस माल का व्योहारी रहा है, और (ii) यदि संबद्ध भारतीय उच्चायोग यह प्रमाणित करे कि ऐसा माल उस के व्यापार का वास्तविक भाग है—

1. घड़ियां
2. सिन्थेटिक धागा और धात्विकीकृत धागा ।
3. सिन्थेटिक धागे से पूर्णतः या मुख्यतः विनिर्मित कपड़े, साड़ियां और बुने हुए कपड़े ।
4. अलकोहलिक लिक्वर ।
5. सिगरेट, सिगार, विनिर्मित तंबाकू, सिगरेट लाइटर और पिलन्ट ।
6. फोर्टेन पेन, बाल पाइंट पेन और प्रोपेलिग पेसिलें ।
7. इत्र-सैट, अंगरग, समंजनीय सेप्टी रेजर और ब्लेड ।
8. ताश और बैटरी से चलने वाले खिलौने ।
9. ट्रांजिस्टर रेडियो, ट्रांजिस्टर और डायोड, रटीरियो, रटीरियो फोनिक, जूक बॉक्स और रेकार्ड-प्लेयर, टेप-रिकार्डर और टेप और उनके कार्ट्रिज तथा इन उपकरणों का कोई भी समूह ।
10. विद्युत साधन, यथा दाढ़ी बनाने, बाल रूखाने, मिश्रण तैयार करने और द्रव बनाने के यंत्र, स्वचालित टोस्टर और इस्त्रियां ।

11. फोटोग्राफिक कैमरे, पत्रें गनें और उनको रंगीन करने

12. लीज और दालचीनी (केसिया) ।

(iv) मशीनरी और औद्योगिक साधन जो सम्प्रत्यावर्तित व्यक्ति के प्रयोग में रहे हों और सोलह हजार रुपए से अधिक मूल्य के न हों :

परन्तु यह तब जब कि—

(क) सम्प्रत्यावर्तित व्यक्ति के पारपत्र में संवत् भारतीय उद्घाटन ने इस आशय का पृष्ठोक्त किया हो कि वह वास्तविक सम्प्रत्यावर्तित व्यक्ति है ;

(ख) भारत को प्रस्थान करने से पूर्व माल सम्प्रत्यावर्तित व्यक्ति के कब्जे में था, तथा ।

(ग) माल का आयात सम्प्रत्यावर्तित व्यक्ति के पहुँचने के चार मास के भीतर या बढ़ाई गई ऐसी अवधि के भीतर जो सीमा शुल्क कलक्टर किसी विशिष्ट मामले में अनुज्ञात करे, किया गया है ।

संज्ञाहरण:—इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए “कुटुम्ब” शब्द से अभिप्रेत है सम्प्रत्यावर्तित व्यक्ति की पत्नी जो उसके साथ निवास कर रही/रहा हो और उस पर पूर्णतः आश्रित हो तथा इसके अस्तर्गत उसके बच्चे, माता-पिता, बहने और भाई जो उक्त सम्प्रत्यावर्तित व्यक्ति के साथ निवास कर रहे हों और उस पर पूर्णतः आश्रित हो ;

2. यह अधिसूचना 31 दिसम्बर, 1970 तक, जिसके अन्तर्गत यह तारीख है, प्रवर्तन में रहेगी ।

[सं० 1/फा० सं० 90/79/69/एल० सी०-1]

मदन गोपाल अग्रवाल, संयुक्त सचिव ।